Daily Gospel Reflections in Hindi

16 October 2019

योहन 10 : 1 - 15
I am the good shepherd

आज हमारे मनन चितंन के लिये संत योहन, हमारे सामने प्रभु येसु मसीह को भला गंडरिया के रूप मे प्रस्तुत करते है। योहन 10, 1–6 पदसंख्या मे एक भले गंडेरिया और उसकी भेंड़ो के बारे में बताते है। जो फाटक से भेड़शाला मे प्रवेश करता है वही सही गडेरिया है। लेकिन जो लोग दूसरे रास्ते से प्रवेश करते है, वह चोर और डाकू है। भेड़े अपनी गडेरिया का आवाज पहचानती है। हमारे दैनिक जीवन मे ऐसी घटनायें घटित होती है, कि कभी–कभी भले गडेरिये की आवाज पहचाने के बदले, हम चोर और डाकूओ की आवाज पहचानते है। कभी–कभी हम लोग प्रभु की आवाज को एवं जिस राह पर प्रभु हमे चलाते है उसी से हटकर अपनी राह पर चलना शुरू कर देते है,उसी के वजह से हम लोग सही राह से अलग होकर भटक जाते है।

संत योहन 10,7–10 पदसंख्या के जरियें सही द्वार से भेड़शाला में प्रवेश करने के लिए याद दिलाता है। प्रभु ईसा मसीह ही द्वार है। उसी द्वार से भेड़शाला मे प्रवेश करेंगे तो उसे मुक्ति मिलेंगी। ईसा मसीह इस दुनिया मे मानवजाति की मुक्ति के लिये आयें है। उस भले गडेरिया को पहचानना ही हमारा मुख्य कर्तव्य है।

जब तक हम लोग श्ला गडेरिया को नही पहचानेगें, उस सच्चे गडेरिया की आवाज नही पहचानेगे, भला गडेरिया के पीछे नही चलेंगे, तो उसके ज़रियें हम मुक्ति नही पा सकेंगे। हमारे दैनिक जीवन में भला गडेरिया प्रभु ईसा मसीह को पहचानना, चोर और डाकूओं से दूर रहने की कृपा के लिए निरंतर प्रार्थना करेगें।

Rev. Fr. Alex Pulickaparambil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019